केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आर्यत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 273 शनिवार 27 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

स्कूलों का समय बदला

लखनऊ (आभा)। यूपी में कक्षा आठ तक के बच्चों को एक दिन की राहत मिल गई है। शनिवार 27 अप्रैल को स्कूल की छुट्टी जल्दी करने का आदेश दिया गया है। इससे भीषण गर्मी में रोज की अपेक्षा करीब डेढ़ घंटे पहले बच्चे स्कूल से घर पहुंच जाएंगे। शासन द्वारा दो दिन पहले स्कूलों के समय में परिवर्तन संबंधी जारी आदेश के बाद शुक्रवार को बेसिक शिक्षा निदेशालय ने भी इस बारे में आदेश जारी कर दिए। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल की ओर से प्रदेश के सभी परिषदीय स्कूल को जारी आदेश में कहा गया है कि कल शनिवार को सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तक स्कूलों का संचालन होगा। इसके बाद सोमवार 29 अप्रैल से बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित और मान्यता प्राप्त सभी विद्यालय सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक संचालित किए जाएंगे।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

सल्टौआ (बस्ती)। सोनहा थानाक्षेत्र के मनौढी गांव निवासी मतीबुल्ला (35) ने गुरुवार को जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच–पड़ताल शुरु कर दी है। जानकारी के अनुसार मतीबुल्ला फिलहाल जहरीला पदार्थ का खा लिया था।

खाने के बाद उसे उल्टियां होने लगी तो घरवालों ने उसे सीएचसी बेवा, डुमरियागंज ले गए। वहां मौजूद चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। गांववालों के मुताबिक अभी 15 दिन पूर्व मतीबुल्ला मुंबई से कमाकर लौटा था। घर में सबकुछ ठीक चल रहा था अचानक उसने अपनी जान देने का फैसला कर लिया। इस घटना के बाद मतीबुल्ला की बीवी व उसके के दो बच्चों का रो–रो कर बुरा हाल है।

मरीजों का एकत्र कर रहे हैं विवरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में 25 अप्रैल तक चल रहे अभियान में 12 बीमारियों से घिरे रोगियों की खोजबीन करते हुए उनका संपूर्ण ब्योरा (यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल) यूडीएसपी पर दर्ज कराया जा रहा है। इसमें टीबी से लेकर डायरिया, बुखार और डेंगू समेत अन्य बीमारियां शामिल हैं।

सीएमओ डॉ. आरएस दुबे ने संक्रामक रोग के संबंध में बताया कि पोर्टल पर जिन रोगियों की हिस्ट्री फीड होगी उसके जरिए उनको ट्रीटमेंट देने में आसानी होगी और वह जल्द स्वस्थ होंगे। इससे बीमारियों को सही वक्त पर काबू किया जा सकेगा। बताया कि 25 अप्रैल तक अभियान चलाया जा रहा है। यूडीएसपी पोर्टल के संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया था कि अब संक्रामक रोगों का संपूर्ण ब्योरा यूडीएसपी पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। सीएमओ ने बताया कि सभी प्रकार की संक्रामक बीमारियों पर नजर रखने के लिए यूडीएसपी पोर्टल विकसित किया गया है। जिले में संभावित डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, कालाजार, फाइलेरिया, हेपेटाइटिस ए, बी, सी, टाइफाइड, स्क्रब टाइफस, लेप्टोस्पाइरोसिस आदि बीमारियों पर नजर रखी जा रही है। एएनएम, सीएचओ, आशा और आशा संगिनी के माध्यम से संक्रामक रोगों का सर्विलेंस किया जा रहा है। संभावित मरीजों का जांच भी करके उन्हें संभावित सूची में डाल रहे हैं। डाटा मैनेजर, आईडीएसपी अनुभाग को इस पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई है। सीएमओ ने बताया कि जिनकी रिपोर्टिंग खराब होगी उनपर कार्रवाई होगी। हर आशा को एक दिन में 15–15 दिन विजिट करके रिपोर्ट बनानी है।

मणिपुर–पश्चिम बंगाल में जमकर पड़े वोट, यूपी, बिहार में 60 प्रतिशत से कम मतदान

नई दिल्ली (आभा)। 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए दूसरे चरण में शुक्रवार 26 अप्रैल को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर वोटिंग हुई। त्रिपुरा में सबसे ज्यादा करीब 77.93: वोटिंग हुई। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश मे सबसे कम 53: के आसपास मतदान हुआ। मणिपुर के उखरुल से एक वीडियो सामने आया, जिसमें कुछ संदिग्ध एक बूथ के अंदर घुस आए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लोकतंत्र हाईजैक होने का आरोप लगाया।

इससे पहले, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बूथ पर ड्यूटी के दौरान एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मार ली। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

शाम 5 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक पूर्वोत्तर के राज्यों में जमकर वोटिंग हुई है। वहीं बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के वोटरों में सुस्ती दिखाई दी। 5 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक मणिपुर में 76 फीसदी और त्रिपुरा में 76.23 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश में 52.64 फीसदी ही वोटिंग हुई। बिहार में भी 52 फीसदी के आसपास ही वोट पड़े।

शाम 5 बजे तक असम में 70.66 प्रतिशत, बिहार में 52.63 प्रतिशत, छत्तीसगढ़– 72.13 प्रतिशत, जम्मू–कश्मीर– 67.22 प्रतिशत, कर्नाटक– 63.90 प्रतिशत, केरल– 63.97 प्रतिशत, मध्य प्रदेश– 54.42 प्रतिशत, महाराष्ट्र– 53.51 प्रतिशत, राजस्थान– 59.19 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 71.84 प्रतिशत मतदान हुआ।

दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश में अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा सीट पर मतदान कराया गया है। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतार लगने लगी। दोपहर तक लोग छाता लेकर धूप से बचते हुए कतार में लगते नजर आये।

बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका संसदीय क्षेत्र में क्रमशः 45.58, 46.76, 46.78, 39.49 और 42.89 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में छह संसदीय सीटों पर आज मतदान समाप्त होने के एक घंटे पहले यानी शाम पांच बजे तक औसतन 54. 83 प्रतिशत मतदान होने की खबर है।

तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बंगाल की दो लोकसभा सीटों बालूरघाट और रायगंज में सेंट्रल फोर्सेस महिलाओं को वोटिंग से रोकी।

अदालत में बृजभूषण शरण सिंह की अर्जी खारिजः अब टिकट पर भी आंच!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नई दिल्ली (आभा)। यूपी की कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपों में झटका लगा है। दिल्ली की अदालत ने उनकी ओर से दाखिल उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि उनके ऊपर लगे आरोपों की और जांच की जाए। ऐसे में उन पर अब यौन उत्पीड़न केस में आरोप तय करने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत के इस फैसले से बृजभूषण शरण सिंह की चुनावी उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार पार्टी चाहती है कि बृजभूषण शरण सिंह पर यदि कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ती है तो वह खुद चुनाव न लड़ें। इसकी बजाय परिवार के ही किसी सदस्य यानी पत्नी या बेटे को मौका दें।

ऐसी स्थिति में अदालत के फैसले के बाद अब लगता है कि बृजभूषण शरण सिंह का टिकट भी कट सकता है। खुद बृजभूषण शरण सिंह के तेवर भी इसके संकेत दे रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों टिकट के सवाल पर कहा भी था कि जो भगवान राम चाहेंगे, वही होगा। यही नहीं उनका कहना था कि पार्टी ने अब तक दूल्हा तय नहीं किया है, लेकिन जिसे भी उतारा जाएगा, वह बड़ी जीत हासिल करेगा। उनके बयान में 'जिसे भी उतारा जाएगा' से यह अर्थ निकाला गया था कि शायद अब वह अपने अलावा परिवार के ही किसी सदस्य को लड़ाने के लिए तैयार हो गए हैं।

राउज एवेन्यू कोर्ट की जज प्रियंका राजपूत की अदालत ने कहा कि अब बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय करने का फैसला 7 मई को होगा। इससे पहले 18 अप्रैल को ही अदालत फैसला सुनाने जा रही थी, लेकिन बृजभूषण शरण सिंह की ओर से अपील की गई थी कि इस केस की और जांच की जाए। उनकी दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था और अब उनकी अर्जी खारिज करने का आदेश दिया है। इसके बाद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ चल रहे केस में आगे की कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई में बृजभूषण ने खुद पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप को ही खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि जिस दिन छेड़खानी का आरोप एक महिला पहलवान ने उन पर लगाया है, उस दिन वह दिल्ली में ही नहीं थे।

श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल में घुटने के एसियल लीगामेन्ट का सफल आपरेशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में घुटने के एसियल लीगामेन्ट का दूरबीन विधि से सफल आपरेशन हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. राजकुमार आर्य ने किया। जनपद के कुरंदा निवासी 24 वर्षीय गुफरान ने दुर्घटना में अपना घुटना बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर लिया था। गुफरान के अनुसार वह कई अस्पतालों में हड्डी रोग चिकित्सकों के पास इलाज के लिये गया किन्तु कोई आपरेशन के लिये तैयार नहीं हुआ। श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल से हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. राजकुमार आर्य ने उनका सफल आपरेशन किया। उन्हें पूरी उम्मीद है कि वे पहले की तरह अपने घुटनों का इस्तेमाल कर पायेंगे।

श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के चेयरमैन बसंत चौधरी ने हास्पिटल में पहली बार एसियल लीगामेन्ट का दूरबीन विधि से सफल आपरेशन एक बड़ी उपलब्धि है। बताया कि हॉस्पिटल में इलाज के लिये अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। पूर्वान्चल के दूर दराज के मरीज श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में बेहतर उपचार पा रहे हैं। कंधा, घुटनों का भी दूरबीन विधि से इलाज की पूरी व्यवस्था है। आयुष्मान कार्ड के साथ ही केन्द्र और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य से सम्बंधित सभी सुविधायें मरीजों को उपलब्ध हैं। बीमित मरीजों के इलाज की भी पूरी व्यवस्था है।

यूपी में दूसरे चरण में भी नहीं जागे मतदाताः कम मतदान ने बढायी राजनीतिक दलों में खलबली

लखनऊ (आभा)। यूपी में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में जबरस्त गिरावट आई है। पहले फेज से भी बेहद कम वोटिंग हुई है। कुछ सीटों पर तो 50 प्रतिशत का भी आकडा पांच बजे तक पार नहीं हो सका था। पहले चरण में जहां 57 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई थी वहीं दूसरे चरण में 53 प्रतिशत मतदान भी नहीं हो सका है। कम मतदान ने हर दल के माथे पर शिकन ला दी है। पीएम मोदी, सीएम योगी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा मतदान की अपील की थी। लेकिन किसी की अपील का कोई असर नहीं दिखाई दिया है।

चुनाव आयोग भी इस बात से संतुष्ट है कि पहले चरण के मुकाबले ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें कम मिली हैं लेकिन लाख कोशिशों के बाद भी मतदान नहीं बढ़ना उनके लिए भी परेशानी का कारण है। कम मतदान को एक तरफ गर्मी से जोड़ा जा रहा है तो दूसरी तरफ कुछ और भी कारण बताए जा रहे हैं। कुछ इलाकों में अलग अलग समस्याओं के कारण मतदान बहिष्कार की भी खबरें आई हैं।

चुनाव आयोग के अनुसार पांच बजे तक यूपी की आठों लोकसभा सीटों पर 52.64 फीसदी वोट पड़े थे। पहले चरण में पांच बजे तक 57 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े थे। माना जा रहा है कि शाम छह बजे तक अभी कुछ बढ़ोतरी होगी। सबसे कम वोटिंग मथुरा में हुई है। यहां पांच बजे तक केवल 46.96 प्रतिशत लोगों ने ही वोटिंग की थी। अलीगढ़ में 54.36 प्रतिशत, अमरोहा में 61.89 फीसद, बागपत में 52.74 फीसद, बुलंदशहर में 54.34 फीसद, गौतमबुद्धनगर में 51.66 फीसद, गाजियाबाद में 48.21 फीसद और मेरठ में 54.62 फीसद मतदान हुआ था।

सुबह सात बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शुरू हुआ। दूसरे चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में रामायण धारावाहिक में भगवान राम की भूमिका निभा चुके भाजपा के अरुण गोविल (मेरठ), अभिनेत्री हेमा मालिनी (मथुरा), पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर महेश शर्मा (गौतमबुद्ध नगर) और अतुल गर्ग (गाजियाबाद) शामिल हैं। इनके अलावा इनमें कांग्रेस के दानिश अली (अमरोहा), राष्ट्रीय लोक दल के राजकुमार सांगवान (बागपत) और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार व पूर्व सांसद बिजेन्द्र सिंह (अलीगढ़) का नाम भी शामिल है।

वीवीपैट पर्ची के मिलान करने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

नई दिल्ली (आभा)। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान के बाद निकलने वाली हर वीवीपैट स्लिप का मिलान करने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने यह अहम फैसला सुनाया है। इसके साथ ही चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे तमाम सवाल खत्म हो गए हैं। अदालत ने लंबी चली सुनवाई के बाद बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। अर्जियों पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा था कि क्या ईवीएम में पड़े वोटों और उससे निकलने वाली सारी वीवीपैट स्लिप का मिलान हो सकता है। इस पर चुनाव आयोग ने नकारात्मक राय दी थी और कहा था कि यदि ऐसा किया जाएगा तो फिर नतीजा आने में 12 दिन तक का वक्त लग सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम से ही वोटिंग जारी रहने का फैसला दिया है, लेकिन यह भी कहा कि चुनाव में दूसरे या तीसरे नंबर पर रहने वाला कोई कैंडिडेट 5 फीसदी ईवीएम की जांच करा सकता है। इसकी जांच में आने वाला खर्च शिकायत करने वाले उम्मीदवार को ही उठाना होगा। अदालत ने यह भी कहा है कि मतदान के बाद कम से कम 45 दिनों तक वीवीपैट स्लिप को सुरक्षित रखना होगा। ऐसा इसलिए ताकि किसी तरह के विवाद की स्थिति में ईवीएम में पड़े वोटों के साथ उसका मिलान किया जा सके। चुनाव आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा कि हर ईवीएम के साथ वीवीपैट का मिलान कर पाना संभव नहीं होगा। आयोग ने कहा कि पहले से ही नियम है कि कोई भी 5 फीसदी ईवीएम के साथ वीवीपैट का मिलान कराया जा सकता है। ऐसे में यह एकदम पुख्ता नियम है और संदेह को दूर करता है। चुनाव आयोग ने यह भी समझाया कि आज तक किसी ईवीएम के साथ हैकिंग नहीं हो सकी है। ऐसे में उस पर सवाल उठाना तकनीकी लिहाज से भी किसी तरह ठीक नहीं है।

बिहार में 5 सीटों पर मतदान

पटना (आभा)। बिहार में दूसरे चरण के लोकसभा चुनाव के लिए 5 सीटों पर शुक्रवार को मतदान हुआ। इस चरण में किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर एवं बांका सीट पर वोटिंग हुई। शाम 6 बजे तक राज्य में कुल 58.58 फीसदी मतदान हुआ। सबसे ज्यादा कटिहार में 64.6 फीसदी और किशनगंज में 64 फीसदी मतदान हुआ। पूर्णिया में 59.94 प्रतिशत और बांका में 54 प्रतिशत वोट डाले गए। सबसे कम भागलपुर में 51 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि, पहले चरण के मुकाबले मौजूदा फेज में वोटरों के बीच मतदान का उत्साह ज्यादा नजर आया। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में 48.23 प्रतिशत ही मतदान हुआ था, जो कि मौजूदा चरण से 10 फीसदी कम था।

ड्राइविंग लाइसेंस के नाम पर खुले आम वसूली का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आरटीओ महकमे से जारी हो रहे ड्राइविंग लाइसेंस के नाम पर खुलेआम 1500 रुपया रिश्वत वसूल किया जा रहा है। अफसरों के डर से कोई मुंह खोलने को तैयार नही है। ड्राइविंग लाइसेंस जारी करन के मामले में एक संगठित गिरोह काम कर रहा है। दलाल से लेकर सहायक और अफसर तक सभी इस गिरोह का हिस्सा हैं। ड्राइविंग टेस्ट में आप फेल हों या पास बगैर 1500 रुपया दिये आपका लाइसेंस नही बन सकता।

यह बातें आवेदक अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन (भारत) के प्रदेश मीडिया प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने यहां प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कही। जानना चाहे कि उसने जो ड्राइविंग टेस्ट दिया उसमे वह फेल हुआ है या पास, तो नही जान सकता हैं। इसे अफसर गोपनीय रखते हैं। पास को फेल बताकर उनसे पैसे ऐंठते हैं। वसूली कोई करता है, जमा कहीं होता है और हिसाब कोई और करता है। इतना ही नही कई प्रभावी लोगों के लाइसेंस घर बैठे जारी हो रहे हैं। फेल वही होता है जो पैसा नही देता या ज्यादा कानून बघारता है। हालात क्या हैं आसानी से समझा जा सकता है। डीएम से लेकर परिवहन मंत्री तक प्रयास करके थक चुके हैं, आरटीओ महकमे का भ्रष्टचार रत्ती भर कम नही हुआ।

नतीजा ये है कि अन्ट्रेन्ड लोगों को धड़ल्ले से लाइसेंस जारी हो रहा है और मार्ग दुर्घटनाओं में लोग अपनी जांन गंवा रहे हैं। महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा महकमे की लापरवाही की कीमत यात्रियों को सड़क हादसों में चुकानी पड़ रही है। आरटीओ विस्तार पटल में लगे सीसीटीवी कैमरे लम्बे अरसे से सक्रिय नही हैं। सूत्रों की मानें तो अपनी कारगुजारियों पर परदा डालने की नीयत से इसे ठीक नही कराया जा रहा है। सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगने पर भी अफसर जानकारी नही देना चाहते। महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा करोडों की लागत से ड्राइविंग टेस्ट के लिये आरटीओ विस्तार में बना ट्रैक मजाक बनकर रह गया है। महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा टेस्ट होता है तो आवेदक को परिणाम भी बताया जाना चाहिये। उन्होने उपरोक्त मामलों को संज्ञान लेते हुये सक्षम अधिकारियों से ठोस कार्यवाही की मांग किया है।

बीएसए ने छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसलाः शत प्रतिशत मतदान पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने बस्ती सदर विकास खण्ड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय महरीपुर में कम्प्यूटर लैब और स्मार्ट क्लास की शुरुआत करते हुये शत प्रतिशत मतदान पर जोर दिया। उन्होने उपस्थित शिक्षकों, अभिभावकों का आवाहन किया कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिये अपने मतदाधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

बीएसए ने कहा कि प्रमुख सचिव दुर्गाशंकर मिश्र के दिशा निर्देश के अनुरुप परिषदीय विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा रहा है। कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर बीएसए ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा के तीन सफल छात्रों अभय प्रताप, संगम और खुशबू को शील्ड देकर पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने शिक्षकों का आवाहन किया कि वे बदले परिवेश में अभिभावकों और छात्रों का भरोसा जीतकर नामांकन बढाये। बताया कि सरकार परिषदीय शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में समर्पित है। अनेक शिक्षक स्वयं अपने प्रयास से संसाधन बढाने में योगदान कर रहे हैं। निश्चित रूप से इसके बेहतर विकल्प सामने आ रहे हैं। बीएसए ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय महरीपुर में डेस्क, बेंच की व्यवस्था शीघ्र कराने का आश्वासन दिया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने कार्यक्रम में शिक्षकों और अभिभावकों, छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये शिक्षा में हो रहे नव प्रयोगों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। संचालन आशीष श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर शिक्षक राकेश सिंह, डा. अपराजिता मिश्रा, अनुसरना, ए.आर. पी. अनिल पाण्डेय, रामशंकर पाण्डेय, ग्राम प्रधान दुर्गेश कुमार यादव के साथ ही छात्र और अभिभावक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेन्डेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 अप्रैल 2024 शनिवार

सम्पादकीय

मसालों में मिलावट

निस्संदेह, भारतीय मसालों का जिक्र किये बिना दुनिया का इतिहास पूरा नहीं हो सकता। विदेशी शासकों के राज से पहले भी भारतीय मसाले देश की आर्थिकी का मजबूत आधार होते थे। इनकी गुणवत्ता के लिहाज से भारत को मसालों के देश की संज्ञा दी जाती रही है। भोजन को लजीज बनाने, इम्यूनिटी बढ़ाने व पाचन सुधारने में इनकी बड़ी भूमिका रहती है। लेकिन यह खबर परेशान करने वाली है कि दुनिया के कई देशों में भारतीय मसालों में सेहत के लिये हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। ये मसाले सदियों तक भारत की पहचान होते थे। कहा जाता है कि कभी पुर्तगाली व अन्य यूरोपीय हमलावर मसालों की तलाश में ही भारत आए थे। ये मसाले न केवल रोगनाशक बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने वाले भी होते हैं। पूरे कोरोना संकट में इन मसालों ने ही देश के लोगों का मनोबल बनाये रखने में खासी मदद की। यहां तक कि आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सक हमारी रसोई को आम भारतीय का मेडिकल स्टोर तक कहते हैं। बहरहाल, हांगकांग व सिंगापुर में दो चर्चित भारतीय कंपनियों के मसालों को सेहत के लिये घातक बताते हुए इन पर प्रतिबंध लगाया गया है। ये वे मसाले हैं, जिनका भारत के हर घर में उपयोग होता है और जो भारतीयों के स्वाद में रचे–बसे हैं। यह तथ्य भी विचारणीय है कि यदि इन कंपनियों के मसाले में वास्तव में घातक पदार्थ मौजूद हैं तो गुणवत्ता नियामक संस्था फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच क्यों नहीं की? क्यों करोड़ों भारतीयों की सेहत को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया? हकीकत यह भी है कि चीनी स्वामित्व वाले हांगकांग में दो भारतीय ब्रांड्स के मसालों पर बैन लगाया गया है। आरोप लगाया गया कि इन मसालों में कैंसर का कारक बन सकने वाला एथिलीन ऑक्साइड पेस्टीसाइड मिला है। जिसके चलते हांगकांग की फूड सेफ्टी अथॉरिटी ने दो भारतीय बड़े ब्रांड्स के चार मसाले जांच में फेल कर दिये हैं।

दरअसल, हांगकांग के फूड एंड एनवायरमेंटल हाइजीन डिपार्टमेंट ने पांच अप्रैल को जारी रिपोर्ट में दो भारतीय कंपनियों के करी पाउडर, सांभर मसाला, फिश करी मसाला व मिक्स्ड मसाला पाउडर के सैंपल फेल होने की बात कही है। वहीं कहा जा रहा है कि यूरोपीय यूनियन ने सैकड़ों भारतीय खाद्य पदार्थों में ऐसे ही केमिकल का उपयोग पाया है। उनका कहना है कि यूरोप जाने वाले उत्पादों में यह केमिकल रूटीन तौर पर पाया जाता है। जिसमें अखरोट, तिल के बीज, मसाले व अन्य खाद्य उत्पाद शामिल हैं। इनमें कुछ को बॉर्डर से वापस भेजा गया तथा कुछ को बाद में बाजार से हटा दिया गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि एथिलीन ऑक्साइड के प्रभाव से लिंफोमा और ल्यूकीमिया आदि कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। खाद्य सुरक्षा पर नजर रखने वाली संस्थाएं इन्हें घातक बता रही हैं। उल्लेखनीय है कि बीते सालों में अफ्रीका में बच्चों की मौत का कारण जिस भारतीय कफ सीरप को बताया गया था, उसमें भी एथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा पायी गई थी। निस्संदेह, भारत सरकार और नियामक संस्थाओं को इन आरोपों को गंभीरता से लेना चाहिए। एक पक्ष यह भी है कि ये मामले तब सामने आए हैं, जब पिछले दिनों भारत सरकार ने कुछ यूरोपीय स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों को सेहत के लिये हानिकारक घोषित किया है। इसके बावजूद हमें ध्यान रखना होगा कि दुनिया के मसाला कारोबार में हमारी हिस्सेदारी 43 फीसदी है। अतरू भारत को अपने मसाला उत्पादों की विश्वसनीयता बनाये रखनी होगी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक व निर्यातक देश भी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2005 के बाद भारत के मसाला निर्यात में तीस फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। साथ ही इस दशक के अंत तक मसाला उद्योग को दस अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि इनकी गुणवत्ता में किसी भी तरह खोट नजर आती है तो इससे भारत की प्रतिष्ठा को भी आंच आएगी। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा। बहुत संभव है आने वाले दिनों में फिर से भारत में खड़े मसालों की ओर लौटने का रुझान बढ़े।

कम मतदान से क्या बदलेगा राजनीतिक परिदृश्य

—डॉ. आशीष वशिष्ठ—

बीती 19 अप्रैल को देश की 102 लोकसभा सीटों के लिए प्रथम चरण का मतदान हुआ। 21 राज्यों में औसत 62 प्रतिशत मतदाताओं ने ही मताधिकार का उपयोग किया। यह 2019 की तुलना में 4 फीसदी कम रहा है। मतदान कम हुआ इसने सबकी चिंता बढ़ाई हुई है। बूथ मैनेजमेंट का कौशल जिन राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों के पास है उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाना था, जो जहां से जीते हैं उन्हें वहां से अपनी जीत के आंकड़े को बढ़ाना है, ये लक्ष्य भी दिया गया था, फिर क्या हुआ?

सबसे अधिक मतदान संघशासित क्षेत्र लक्षद्वीप में 84.16 फीसदी किया गया। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और सिक्किम में 80 फीसदी से ज्यादा मतदान हुए, लेकिन फिर भी 2019 की तुलना में 2 फीसदी तक कम हुए। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2 फीसदी मतदान ज्यादा किया गया। जम्मू–कश्मीर सरीखे संवेदनशील क्षेत्र में 68.27 फीसदी मतदान शानदार माना जा सकता है, लेकिन वहां भी 2019 से 1.88 फीसदी मतदान कम हुआ। सबसे कम मतदान बिहार की सीटों पर 49 फीसदी से कुछ ज्यादा रहा, लेकिन 4 फीसदी कम मतदाता वोट देने घर से निकले।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे भाजपा वर्चस्व के राज्यों में 5–6 फीसदी मतदान कम किया गया। मध्यप्रदेश, राजस्थान और मिजोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। इनसे भाजपा के 370 और 400 पार वाले लक्ष्यों को ठेस पहुंच सकती है, क्योंकि भाजपा उत्तरी भारत में ही शानदार जनादेश के भरोसे है। दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्यप्रदेश में 67.76 फीसदी मतदान हुए, लेकिन ये 7.31 फीसदी कम रहे। क्या मतदाताओं में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को जनादेश देने का उत्साह और जुनून कम हो गया है? पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 72.17 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं।

पूर्वोत्तर में ही नागालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। वे अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। फिर भी 56.91 फीसदी मतदान हुआ। बेशक 2019 की तुलना में वह 26 फीसदी कम रहा। मणिपुर में भी 10.52 फीसदी मतदान कम हुआ। समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले।

2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में मतदान के घटने से राजनीतिक विश्लेषक हैरान हैं। बीते काफी लंबे समय से सत्ता और विपक्ष में बैठे नेता जनता के बीच जाकर अपना पक्ष रख रहे थे। समाचार माध्यमों में भी चुनावी चर्चा को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाने लगा है। टीवी और यूट्यूब चौनल पर तो राजनीतिक बहस के सिवाय और कुछ होता ही नहीं। इसके बाद भी यदि मतदान औसतन 75 फीसदी भी न पहुंचे तो इसका सीधा अर्थ यही निकलेगा कि मतदाता राजनीति के अतिरेक से ऊबने लगा है। यद्यपि असम, त्रिपुरा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 70 फीसदी से अधिक मतदान ये साबित करने के लिए पर्याप्त है कि इन राज्यों में राजनीतिक जागरूकता बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में कहीं ज्यादा है।

वहीं इसका दूसरा पहलू ये भी है जहां कम या ज्यादा मतदान हुआ वहां का सामाजिक ढांचा किस प्रकार का है ? उदाहरण के लिए मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अधिक मतदान ऐलनिया भाजपा के विरुद्ध जाता है। लेकिन हिन्दू बहुल क्षेत्रों के मतदाता पूरी तरह भाजपा को मत देंगे ये कह पाना कठिन है। बावजूद इसके कि भाजपा हिन्दू समुदाय का ध्रुवीकरण अपने पक्ष में करने में काफी हद तक सफल रही है। इसी तरह जातीय समीकरण बिठाने में भी उसने काफी महारत हासिल की है। भाजपा के साथ मध्यम वर्ग परम्परागत जुड़ा रहा है जो पूरी तरह खुश नहीं होने के बाद भी उसकी राष्ट्रवादी नीतियों से प्रभावित होकर उसके पक्ष में खड़ा रहता है। असल में पहले चरण के मतदान में कोई 'लहर' महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है! यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की खबरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा कोई भी धुवीकरण दिखाई नहीं दिया।

बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद राष्ट्रीय राजनीति में इतना बड़ा हो चुका है कि कोई अन्य नेता उनके आस–पास भी नजर नहीं आता। इस वजह से भाजपा को लगभग 5 प्रतिशत मत उस तबके के मिलने लगे हैं जो नीतियों के बजाय करिश्माई नेतृत्व से ज्यादा प्रभावित होता है। बुद्धिजीवी, विशेष रूप से पेशेवर वर्ग में पीएम मोदी की छवि बड़े निर्णय लेने वाले राजनेता की बन जाने से वह उनका प्रशंसक बन बैठा है। इन सबसे अलग गरीब जनता के मन में उनकी मुफ्त अनाज और मकान योजना का गहरा असर है। हालांकि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, पंजाब और कर्नाटक की गैर भाजपाई राज्य सरकारें भी ऐसे ही तमाम जन कल्याणकारी कार्यक्रम चला रही हैं किंतु देश के बड़े भूभाग पर भाजपा का राज होने से मोदी की गारंटी का असर अपेक्षाकृत ज्यादा नजर आता है। पिछले साल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने कांग्रेस के वादों की बजाय मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया था।

वैसे तो सभी पार्टियां कम मतदान को अपने पक्ष में बताने का प्रयास कर रही हैं किंतु सभी के लिए विचारणीय प्रश्न ये है कि शिक्षा और सूचना तंत्र का इतना प्रसार होने के बावजूद मतदान कम क्यों होता है ? चुनाव आयोग प्रतिशत बढ़ाने के लिए खूब प्रयास करता है। वोटर स्लिप भी घर–घर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। लेकिन गत दिवस कुछ राज्यों को छोड़ बाकी में 2019 के लोकसभा और 2023 के विधानसभा चुनाव से कम मतदान होना राजनीतिक पार्टियों के लिए चिंता और चिंतन का कारण होना चाहिए। हालांकि परिणाम के बाद ही ये स्पष्ट हो सकेगा कि कम मतदान से किसे फायदा या नुकसान हुआ किंतु लोकतंत्र के लिए जिस तरह से मजबूत विपक्ष आवश्यक है उसी तरह मतदाताओं की जागरूकता भी। मतदाताओं को भी अपने एक वोट की शक्ति को समझना चाहिए। लोकतंत्र के पर्व चुनाव के प्रति उदासीनता का सीधा असर देश के विकास और जनकल्याण पर पड़ता है। उस दृष्टि से पहले चरण में जहां–जहां मतदान 70 प्रतिषत से कम हुआ वहां मतदाताओं का मतदान से दूरी बनाये रखना अध्ययन का विषय है। इसका कारण पिछले वादे पूरे न होना भी हो सकता है। समाज में एक वर्ग उन लोगों का भी है जो ये मान बैठे हैं कि सत्ता बदलने पर भी व्यवस्था में सुधार नहीं होता। ये निराशा किसको नुकसान पहुंचाएगी ये तात्कालिक तौर पर तो कहना संभव नहीं है किंतु कालांतर में लोकतंत्र के लिए घातक साबित होगी ये निश्चित है। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है। राजनीतिक दलों और नेताओं को भी इस दिशा में दलगत राजनीति और आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर विचार करने की जरूरत है।

कैदियों के बीच कैसे रूके टकराव

—डॉ. केपी सिंह—

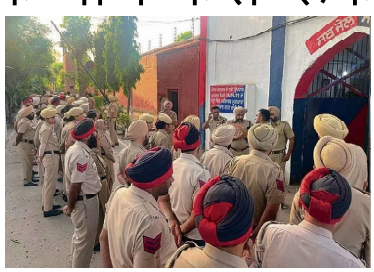

उन्नीस अप्रैल को संगरूर जेल में बंदियों के दो समूहों के बीच झड़प में दो कैदियों की मौत हो गई और दो अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए। इससे लगभग एक सप्ताह पहले भी गुरदासपुर की केंद्रीय जेल में एक झड़प को रोकने की कोशिश करते हुए थाना प्रबंधक सहित कम से कम चार पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पंजाब की जेलों में पिछले एक दशक में हिंसा और दंगों की कई घटनाएं हुईं। फरवरी, 2023 में तरनतारन जिले की गोइंदवाल साहिब केन्द्रीय जेल के अन्दर लड़ाई में दो गैंगस्टर मारे गए थे। जून, 2019 में लुधियाना जेल में दंगाई कैदियों ने पुलिस से झड़प की थी। जिसमें एक कैदी की मौत हो गई थी और पांच अन्य घायल हो गए थे। मार्च, 2017 में भी गुरदासपुर जेल में कैदियों के दंगे में तीन जेल कर्मचारी घायल हो गए थे।

जेलों में हिंसा के अपराधशास्त्र को जेल की सामाजिक संरचना और शासन व्यवस्था को सामने रखकर समझा जा सकता है, जो अक्सर संसाधनों के अभाव में आपसी खींचतान के कारण उत्पन्न होता है। यही नहीं, जेलों का माहौल ही शोषणकारी है और अन्याय होने पर कैदियों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया हिंसा ही होती है। मानसिक बीमारी, जातीय और धार्मिक समीकरण, बन्दियों और जेल कर्मचारियों के बीच की सांठ–गांठ, सांस्कृतिक मतभेद और जेल में बंदी गैंगस्टरों से सांठ–गांठ अन्य महत्वपूर्ण कारक हैं जो जेलों में दंगों के मूल कारण बन जाया करते हैं।

पंजाब की जेलों में अधिकांश झगड़े भौतिक वस्तुओं को लेकर नहीं बल्कि प्रभुत्व, सम्मान, निष्पक्षता, वफादारी, गिरोहों की दुश्मनी व वर्चस्व जैसे गैर–भौतिक हितों को लेकर होते हैं। यही कारण है कि वे पूर्व–नियोजित होते हैं और पुलिस हस्तक्षेप के बिना उन्हें सुलझाना कठिन होता है।

कुछ साल पहले 'कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव' और पंजाब राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा किए गए एक संयुक्त अध्ययन से पता चला कि पंजाब की 24 में से 18 जेलें क्षमता से अधिक भरी हुई थीं, 25 प्रतिशत पद खाली थे, 17 जेलें कल्याण अधिकारियों के बिना काम कर रही थी, बाहरी निरीक्षण तंत्र आमतौर पर नदारद था क्योंकि केवल एक जेल में ही 'बोर्ड आफ विजिटर' था जो जेलों पर स्वतंत्र निगरानी के लिए एक वैधानिक निकाय है। 660 कैदियों में से 12 प्रतिशत ने जेल–हिरासत में हिंसा का आरोप लगाया था। 15 कारागारों में कैदियों ने जेलों के अंदर नशे की तस्करी और प्रतिबन्धित सामग्री की आपूर्ति की भी बात का जिक्र किया था।

ये सभी तथ्य मिलकर पंजाब की जेलों में संसाधनों, पारदर्शिता और निष्पक्षता की कमी की गवाही देते हैं, जिसका जेलों के अन्दर के जीवन और सुरक्षा पर निश्चित प्रभाव पड़ता है। ऐसी जमीनी हकीकतों के प्रकाश में जेलें खत्तरनाक, अमानवीय और दर्दनाक जगह बन जाती हैं, जहां हिंसा अपरिहार्य है। जुलाई, 2022 में राज्य सरकार ने जेलों में 'ड्रग स्क्रीनिंग' सर्वेक्षण शुरू किया जिसमें 30,000 बन्दियों को शामिल किया गया था। यह बात सामने आई कि सर्वेक्षण में शामिल 47 प्रतिशत से अधिक कैदी नशे के आदी हैं। एक छोटी–सी जगह में इतनी बड़ी संख्या में मादक द्रव्यों का सेवन करने वालों की मौजूदगी स्वयं में एक विस्फोटक है जो फूटने का इंतजार कर रहा है।

नशे का आदी व्यक्ति नशीली दवाओं के बिना जीवित नहीं रह सकता है और कैदी इसकी व्यवस्था जेलों के अन्दर गिरोहों के माध्यम से करते हैं। नशे की आपूर्ति जेल अधिकारियों की मिलीभगत के बिना सम्भव नहीं है। जेल के अन्दर जब ऐसे गिरोह हों तो हिंसा स्वाभाविक है। मादक द्रव्यों का सेवन करने वालों के इलाज के लिए जेलों में बहुआयामी नशा मुक्ति कार्यक्रमों की आवश्यकता है, वर्तमान में किए जा रहे उपाय अपर्याप्त और अप्रभावी साबित हो रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पंजाब की जेलें उत्तर भारत में गैंगस्टरों के लिए पसंदीदा जगहों के रूप में भी उभरी हैं। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर–राजनेता मुख्तार अंसारी ने रूपनगर जेल में सुरक्षित और आरामदायक पनाह पाई थी। पिछले साल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने पंजाब की एक जेल से एक न्यूज चौनल को साक्षात्कार दिया था और अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी थी। सलाखों के पीछे से बदमाशों द्वारा धमकी भरे संदेश और फिरौती के लिए टेलीफोन पर्याप्त संकेत हैं कि जेल प्रशासनिक मशीनरी में सब कुछ ठीक नहीं है।

कारागार अत्यधिक अस्थिर और चंचल प्रवृत्ति के लोगों की बस्तियां हैं, जो निठल्ले रहते हैं। कठोर कारावास की सजा पाने वाले केवल 20 प्रतिशत दोषियों को ही जेल कारखानों में काम दिया जा सकता है। 75 प्रतिशत से अधिक बन्दी विचाराधीन कैदी हैं जिन्हें कानूनन काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जेल के छोटे से क्षेत्र में इस तरह का निठल्ला कार्यबल शांति के लिए खतरा है। इसके लिए कानूनों में बदलाव करने और कैदियों के लिए पर्याप्त काम के अवसर पैदा करने की जरूरत है।

तर्कसंगत स्थानांतरण नीति के अभाव में दागी जेल अधिकारी अपने पसंदीदा स्थानों पर अपनी नियुक्ति का प्रबन्ध करते रहते हैं। इसके कारण बंदी बदमाशों के गिरोहों के साथ सांठ–गांठ विकसित करना आसान हो जाता है। जिसके परिणामस्वरूप जेलों में भेदभावपूर्ण, अवैध और भ्रष्ट आचरण पनपता है जो कैदियों के बीच टकराव बढ़ाता है।

अपेक्षाकृत छोटा राज्य होने के कारण पंजाब की जेलों में किसी भी जेल अधिकारी को एक स्थान पर दो साल से अधिक काम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसी प्रकार समय–समय पर समीक्षा करके अवांछित तत्वों को सेवा से बाहर किया जाना चाहिए। जेल में अन्दर की ड्यूटियों को भी एक उचित अवधि के बाद बदलते रहना चाहिए।

जेल प्रणालियों में गोपनीयता अंतर्निहित है। जेल प्रशासन बन्दियों की सुरक्षा का ढिंढोरा पीटकर बन्द माहौल में काम करने का अभयस्त हो चुका है। वे अपने कामकाज की निगरानी के लिए किसी बाहरी निरीक्षण तंत्र को पसंद नहीं करते, जबकि इसके लिए वैधानिक प्रावधान है। आदर्श स्थिति में कारागार स्वतंत्र संस्थाओं के निरीक्षण के लिए खोले जाने चाहिए। कैदियों के बीच के तनाव और टकराव के समाधान के लिए भी एक प्रभावी तंत्र का होना बहुत आवश्यक है।

कारागारों में हिंसा रोकने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने वर्ष 1998, 2006 और 2015 में निर्देश जारी किए थे, परंतु इन निर्देशों में केवल जेलों की सुरक्षा को अचूक बनाने को आधार बनाया गया है और यह मान लिया गया कि जेलों में हिंसा केवल सुरक्षा में कमी के कारण ही होती है। जबकि वस्तुस्थिति यह है कि हिंसा के पीछे अनेक कारण होते हैं जिनका निवारण आवश्यक है। सरकारों और प्रशासनिक अमले की इस सोच में आमूल–चूल परिवर्तन अत्यन्त आवश्यक है ताकि समय रहते उन समस्याओं का समाधान किया जा सके जिसके कारण हिंसा होती है। जेलों से सम्बन्धित वर्तमान कानून पर्याप्त कठोर हैं और अनुशासन और सुरक्षा बनाए रखने में सक्षम हैं। जरूरत इस बात की है कि जेल प्रशासन अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करे। लेखक हरियाणा पुलिस में महानिदेशक रहे हैं।

सर्वे और दावे–प्रतिदावे

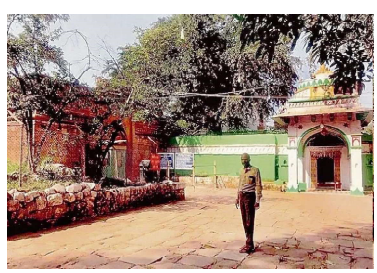

—हेमंत पाल—

अयोध्या, ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि के स्वामित्व की प्रामाणिकता के लिए कोर्ट के निर्देश पर ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) ने साइंटिफिक सर्वे किया था। अपनी प्रमाणिक रिपोर्ट से एएसआई ने जो साबित किया, वो दुनिया के सामने है। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के निर्देश पर इसी तरह का सर्वे धार की भोजशाला में किया जा रहा है। एएसआई को अपने सर्वे से साबित करना है कि भोजशाला वास्तव में राजा भोज द्वारा निर्मित सरस्वती मंदिर है या मौलाना कमालुद्दीन की बनाई मस्जिद! दोनों पक्षों के बीच सौ सालों से ज्यादा समय से यह विवाद है। एक महीने से एएसआई भोजशाला में सर्वे कर रही है।

हाई कोर्ट ने एएसआई को सर्वे करके और अपनी रिपोर्ट अगले 45 दिन में उसे सौंपने का निर्देश दिया था। लेकिन, अब एएसआई ने इसके लिए अतिरिक्त समय मांगा है। क्योंकि, निर्धारित अवधि में काम पूरा संभव नहीं है। सर्वे की प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए कोर्ट के निर्देश पर हिंदू और मुस्लिम प्रतिनिधियों को भी सर्वे टीम के साथ अंदर जाने की इजाजत मिली है। पहले दिन मुस्लिम पक्ष ने सर्वे टीम के साथ परिसर में जाना टाला, उसके बाद से दोनों पक्षों के प्रतिनिधि सर्वे टीम के साथ सुबह से शाम तक मौजूद रहते हैं। हालांकि, एएसआई को सर्वे पर किसी भी तरह का बयान देने की इजाजत भी नहीं है क्योंकि, रिपोर्ट हाईकोर्ट में जमा करानी है। मगर सर्वे टीम के साथ अंदर जाने वाले दोनों पक्षों के प्रतिनिधि अंदर जाते हैं, तो वे मीडिया के सामने कोई न कोई ऐसी बात जरूर करके जाते हैं, जो इस सर्वे की गोपनीयता को भंग करने जैसी होती है।

मुस्लिम पक्ष के प्रतिनिधि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में उनके द्वारा लगाई गई आपत्तियों का जिक्र करने के साथ यह भी बताते हैं कि बीते सौ सालों से ज्यादा समय में भोजशाला विवाद में क्या कुछ हुआ! वे उन तर्कों को भी नकारते हैं, जो हिंदू पक्ष के लोग सामने रखने की कोशिश करते हैं। इसी तरह हिंदू पक्ष के प्रतिनिधि मुखरता से बताते हैं कि सर्वे के दौरान अंदर मिलने वाले प्रमाण संकेत दे रहे हैं, कि यह सरस्वती मंदिर रहा है। वास्तव में तो सीधे–सीधे इस बात की मार्केटिंग करने की भी कोशिश की जा रही है कि एएसआई का यह सर्वे हिंदू धर्मावलंबियों की याचिका पर ही किए जाने के निर्देश हुए हैं। एएसआई की सर्वे रिपोर्ट के हाईकोर्ट में पेश किए जाने से पहले ऐसी बयानबाजी गोपनीयता भंग करने जैसा कृत्य कह सकते हैं।

सर्वे के दौरान जब भी मंगलवार या शुक्रवार आता है, तो हिंदू और मुस्लिम पक्ष के लोग भोजशाला परिसर में जाकर अपनी आराधना करते हैं। शुक्रवार को मुस्लिम नमाज अता करने और मंगलवार को हिंदू परिसर में हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। कई साल पहले केंद्र सरकार ने दोनों पक्षों को यह व्यवस्था दी थी, तब से प्रशासन की देखरेख में इसका पालन किया जा रहा है। देखा गया कि सर्वे के दौरान हर मंगलवार को जब हिंदू पक्ष भोजशाला में पूजा–अर्चना के लिए जाते हैं, उस दिन हिंदू पक्ष की तरफ से भोजशाला आंदोलन से जुड़ा कोई बड़ा हिंदूवादी नेता मीडिया के सामने कोई न कोई ऐसी बात जरूर करता है, जो सुर्खी बनती है। उन्हें एएसआई सर्वे पर न कोई बयान देने की जरूरत है, न इजाजत।

भीषण गर्मी, लू ने बढायी मुश्किलें

संवाददाता –बलरामपुर। शुक्रवार को जिले का दिन में अधिकतम तापमान 43 डिग्री रहा। चिलचिलाती धूप व गर्म हवाओं के कारण बाजारों में भीड़ कम रही। लोग धूप से बचने का उपाय करते दिखे। गर्मी से बचने के लिए नींबू, तरबूज व अन्य हरी सब्जियों की खरीदारी बढ़ी है। बाजार में छाते व सूती कपड़े की बिक्री बढ़ी है। मौसम विशेषज्ञ आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने की बात कह रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि पानी ज्यादा पीएं और अनावश्यक धूप में जाने से बचें। लू से बचाव के लिए सिर पर कपड़े, टोपी या छाते का प्रयोग करना चाहिए।

जिले में गर्मी ने जनजीवन पर असर डाला है। शुक्रवार को जिले में तापमान 43 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। सुबह से निकली चुभती धूप ने लोगों को खूब सताया। गर्मी में कोई प्यास से परेशान दिखा तो किसी को लू के थपेड़ों ने परेशान किया। धूल भरी तेज गर्म हवाओं ने आग में घी डालने का काम किया। दोपहर 12 बजे चिलचिलाती धूप ने लोगों को खूब तंग किया। दोपहर लगभग एक बजे सर्वाधिक भीड़भाड़ वाले स्थान वीर विनय चौराहा गोण्डा मार्ग पर सन्नाटा पसरा रहा। जबकि यहां हमेशा भीड़ बनी रहती है। ठेले व खोमचे वाले भी धूप के डर से घर चले गए। बस व रेलवे स्टेशन पर भी लोगों का आवागमन कम रहा है। धूप व धूल से बचने के लिए लोगों ने रूमाल, अंगोछा व छाता आदि का सहारा लिया। मौसम विशेषज्ञ बताते हैं कि ज्यादा गर्मी होना ग्लोबल वार्मिंग का कारण है। हर साल गर्मी बढ़ रही है, क्योंकि प्रदूषण अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंचता जा रहा है।

चिकित्सक डॉ. राजेश सिंह बताते हैं कि लू से कमजोर लोगों जैसे कि बच्चों, बुजुर्गों व पुरानी बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। लोगों को गर्मी में बाहर धूप में निकलने से बचना चाहिए। हल्के रंग व ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए और सिर पर कपड़े, टोपी या छाते से अपना बचाव करना चाहिए। नींबू व प्याज का प्रयोग लाभप्रद होता है। बेल का सेवन करने से काफी फायदा मिलता है। लौकी, तरोई आदि हरी सब्जियों का सेवन करें। भूख से कम भोजन करना चाहिए। मांसाहार का प्रयोग करने बचें। बासी भोजन जानलेवा साबित हो सकता है। पानी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

डीएम ने किया पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा व विधानसभा उप चुनाव सम्पन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम अरविंद सिंह ने शुक्रवार को पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल स्पोर्ट्स स्टेडियम व परेड ग्राउण्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रवानगी स्थल पर साफ सफाई व पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था, वाहनों के पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर टेंट लगाकर पार्टियों को चुनाव सामग्री वितरित किया जाए। बसों व छोटी गाड़ियों को क्रम में खड़ा किए जाने का निर्देश डीएम ने दिया। कहा कि मतदान कार्मिकों को पानी की पर्याप्त व्यवस्था के लिए टैंकर की अतिरिक्त व्यवस्था की जाए। मोबाइल शौचालय की व्यवस्था कराए जाने का निर्देश अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को दिया। कहा कि पोलिंग पार्टी रवानगी के समय यातायात प्रबंधन, भीड़ प्रबंधन, रूट डायवर्जन व सुरक्षा व्यवस्था का मास्टर प्लान बनाया जाए।

पोलिंग पार्टियों को लेकर जाने वाली बसों का रूट निर्धारित किया जाए। डीएम ने बताया कि गोण्डा लोकसभा क्षेत्र के उतरौला विधान सभा में 19 मई को एवं श्रावस्ती लोकसभा सीट व गैसड़ी विधान सभा उपचुनाव के लिए 24 मई को पोलिंग पार्टियां स्टेडियम से रवाना होंगी। इस अवसर पर एडीएम प्रदीप कुमार, एडीएम न्यायिक प्रमोद कुमार, सदर एसडीएम राजेन्द्र बहादुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव कार्य में विद्यालयों के वाहनों को उपलब्ध कराने के लिए बीएसए ने प्रबंधकों को निर्देशित किया है। इस सम्बंध में 27 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम की अध्यक्षता में प्रबंधक व प्रधानाचार्य की बैठक बुलाई गई है। बीएसए ने बताया कि सभी निजी विद्यालयों के प्रबंधक व प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया है कि समय से वह बैठक में उपस्थित रहें। ऐसे विद्यालय जिनके पास अपनी बस संचालित है उनके प्रबंधकों व सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 27 अप्रैल को होगी।

छात्रवृत्ति के लिए तीन मई तक होगा गलतियों में सुधार

संवाददाता–महराजगंज। जिला समाज कल्याण अधिकारी शंकर लाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष, शैक्षिक सत्र–2023–24 में दशमोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत उत्तर प्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (शैक्षणिक भत्ता व शुल्क प्रतिपूर्ति) व अन्य कार्यों के लिए संशोधन किया गया है।

नए शासनादेश के अनुसार छात्रों द्वारा किए गए ऑनलाइन हुई त्रुटियों को छात्र–छात्रा के लागिन में प्रदर्शित किए जाने तथा छात्र–छात्रा द्वारा त्रुटियों को ठीक किए जाने के लिए 26 अप्रैल 2024 से तीन मई, 2024 तक का समय निर्धारित किया गया है। छात्र–छात्राओं द्वारा सही किए गए आवेदन को वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्थान में जमा किए जाने व शिक्षण संस्थान द्वारा छात्र के अभिलेखों से मिलान करते हुए आनलाइन आवेदन प्राप्त करके अपात्र छात्रों के आवेदन को निरस्त किए जाने व पात्र छात्रों के आवेदन को आनलाइन सत्यापित और अग्रसारित किए जाने के लिए 26 अप्रैल, 2024 से 07 मई, 2024 तक का समय निर्धारित किया गया है।

चौपाल लगाकर मतदाताओं को जागरूक किया

संवाददाता–महराजगंज। उपजिलाधिकारी नौतनवां नंद प्रकाश मौर्य ने शुक्रवार को परसासुमाली में मतदाता जागरूकता चौपाल लगाकर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया। साथ ही एक जून को मतदान करने की अपील भी की। इस दौरान एसडीएम ने बताया कि स्वीप लोगो अभियान के तहत परसासुमाली गांव के पंचायत भवन पर ग्रामीणों के साथ मतदाता जागरूकता चौपाल लगाकर लोगों से शत–प्रतिशत मतदान करने की अपील करते हुए लोगों को जागरूक किया गया है। इस दौरान नायब तहसीलदार नौतनवां सौरभ कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सभी लोगों को कही दिक्कत हो तो तुरंत बीएओ को अवगत कराएं। इस मौके पर नायब तहसीलदार नौतनवां सौरभ कुमार श्रीवास्तव, बीएलओ प्रदीप चक्रवर्ती, सुपरवाइजर रमेश गुप्ता, लेखपाल राहुल शर्मा, ग्राम प्रधान नाथू यादव आदि मौजूद रहे। इसके अलावा एसडीएम ने सीमावर्ती गांव के हरदीडाली में मतदान बूथ का निरीक्षण भी किया। शौचालय, बिजली, पेयजल,साफ सफाई आदि व्यवस्थाओं का हाल जाना। जिम्मेदार को कमियां मिलने पर उसे ठीक करने के लिए निर्देश दिए। इस मौके पर लेखपाल कृष्ण गोपाल, प्रधानाध्यापक विनोद कुमार गौतम, सुदर्शन आदि मौजूद रहे।

गोशालाओं को भूसा दान करने की अपील

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने अपील की है कि सभी लोग गोशालाओं में भूसा दान जरूर करें। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंशों की सुरक्षा एवं उनके भरण–पोषण के लिए गो–आश्रय स्थलों की स्थापना कर निराश्रित गोवंशों को संरक्षित कर उनकी सेवा की जा रही है। संरक्षित गोवंशों के भरण–पोषण के लिए अधिक से अधिक भूसा की आवश्यकता पड़ती है। वर्तमान में जनपद में गेहूं की कटाई का मौसम है, जिससे जनपद के प्रत्येक क्षेत्र में भूसे की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में है। इसलिए नागरिकों व किसानों से अपील है कि भूसा दान जरूर करें। भूसा दान किये जाने के लिए अपने क्षेत्र के उपजिलाधिकारी अथवा खण्ड विकास अधिकारी अथवा स्थानीय स्तर पर संचालित गो–आश्रय स्थलों पर संम्पर्क कर सकते हैं।

अचानक गोंडा पहुंचे एसीएम, खामियों पर लगाई क्लास

संवाददाता–गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे के सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रशांत कुमार शुक्रवार को अचानक गोंडा स्टेशन पहुंचे। स्टेशन के निरीक्षण में उन्हें कई जगह खामियां मिली। इस पर उन्होंने अफसरों की क्लास लगाई। एसीएम ने खामियों पर तत्काल सुधार का निर्देश जारी किया। औचक निरीक्षण से स्टेशन पर खलबली मची रही। रेलवे के सहायक वाणिज्य प्रबंधक शुक्रवार की सुबह अचानक गोंडा पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने प्लेटफार्म नंबर एक के पूर्वी छोर पर स्थित पार्सलघर का निरीक्षण किया। इस दौरान उपभोक्ताओं के हित में सुधार के कई सुझाव दिए। इसके बाद उन्होंने प्लेटफार्म नंबर दो व तीन का निरीक्षण किया।

राप्ती मुख्य नहर में नहाते समय डूबा युवक

संवाददाता–बलरामपुर। दोस्तों संग शुक्रवार दोपहर राप्ती मुख्य नहर में नहाने गया युवक गहरे पानी में डूब गया। युवक को ढूंढने के लिए स्थानीय गोताखोर पानी में उतरे लेकिन प्रवाह इतना तेज था कि उसका पता नहीं लगा सके। युवक को ढूंढने के लिए एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत टिटहरिया के लगभग डेढ़ दर्जन युवक दोपहर लगभग 12 बजे गांव से थोड़ी दूर स्थित राप्ती मुख्य नहर में नहाने गए थे। नहाते समय 20 वर्षीय भगवानदीन पुत्र रेंगू पाल गहरे पानी में डूब गया। साथ में नहा रहे राकेश पासवान, विजय व उदेवि ने ग्रामीणों को भगवानदीन के नहर में डूब जाने की सूचना दी। दर्जनों की संख्या में ग्रामीण नहर किनारे एकत्रित हो गए। कुछ ग्रामीणों ने नहर में छलांग लगा दी। जल का प्रवाह तेज होने के कारण उन्हें नहर से बाहर निकलना पड़ा। घटना की सूचना पाकर हरैया सतघरवा थाना के प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार हमराहियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। भगवानदीन मुंबई में रहकर मजदूरी करता था। 10 अप्रैल को वह घर वापस लौटा था। तीन बहनों के बीच वह अकेला भाई है। पिता रेंगू पाल व मां लखराजी नहर किनारे बदहवास घूम रही है। वह बार–बार अपने बेटे का नाम पुकार रही है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एसडीआरएफ को सूचना दी गई है।

ट्रेन से सफर के दौरान यात्री हुए बीमार

संवाददाता–गोंडा। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा स्टेशन से होकर जाने वाली गोरखपुर–कोयंबटूर 12511 एक्सप्रेस के वातानुकूलित कोच ए 1 के 37 नंबर बर्थ पर सफर कर रही श्रेया नाम की यात्री अचानक बीमार हो गई। इसके अलावा सत्याग्रह एक्सप्रेस में भी जनरल कोच में एक यात्री की तबीयत बिगड़ जाने से रेलवे चिकित्सालय के डॉक्टरों की टीम ने स्टेशन पहुंचकर इलाज किया।

संतो महंतों ने भजनानंदी संत रामसुखित दास को अर्पित किया श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। जन्म जन्मांतर के पुण्य अर्जित होते है तो संत समाज का दर्शन और सानिध्य प्राप्त होता है और यह शुभ अवसर सदगुरुदेव भगवान संतसेवी गौ सेवी ब्राह्मण व दरिद्र नारायण की सेवा करने वाले और सेवा को ही धर्म मानने वाले श्री अवध बिहारी कुंज के पूर्वाचार्य अनंत श्री विभूषित महंत रामसुखित दास महाराज के तृतीय पुण्यतिथि पर अयोध्या सहित देश के कोने कोने से आए हुए संतो महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की यह बाते श्री भगवान अवध बिहारी रामानुज सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अवध बिहारी कुंज के पीठाधीश्वर महंत गणेश दास महाराज ने बताई। उन्होंने बताया कि सनातन परंपरा का यह वैभव है कि हम प्रतिदिन गुरुदेव भगवान की पूजा करते हैं और उनकी पुण्यतिथि पर संतो के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होते हैं। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न कौन से संत, महंत और श्रद्धालु भक्त श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस अवसर पर श्री अखिल भारतीय निर्वाणी अनी अखाड़ा के श्री महंत हमारे काका गुरु मुरली दास महाराज का हमारे ऊपर विशेष अनुग्रह है और सभी पर गुरुदेव भगवान की कृपा बनी रहे यही कामना करते है। इस अवसर पर मणिराम दास छावनी उत्तराधिकारी कमल नयन दास, महंत मनीष दास, महामंडलेश्वर महंत गिरीश दास,महंत पवन कुमार दास,महंत उत्तम दास, महंत सीताराम दास त्यागी, महंत राम कुमार दास, महंत रामायणी रामशरण दास,महंत उमेश दास सहित हजारों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जॉइंट नगर पालिका के वाइस चेयरमैन स्वामी रामदास को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या फैजाबाद जॉइंट नगर पालिका के वाइस चेयरमैन अनंत विभूषितस्वामी राम दास श्री वैष्णं गोकुल भवन के महाराज को उनके शिष्य हनुमत धयान भवन प्रहलाद घाट परिक्रमा मार्ग के पीठाधीश्वर महंत पवन कुमार दास के संयोजन में संतो महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि हमारे गुरुदेव रामदास महाराज ने अपने समय में जब अयोध्या फैजाबाद एक ही नगर पालिका थी तब उन्होंने अनेकों विकास कार्य किया आज भी अयोध्या के पुराने संत महंत श्री महाराज जी को याद करते हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष महाराज जी की पुण्यतिथि मनाई जाती है और संतों, महंतों द्वारा उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला जाता है। महाराजजी ने बताया राजनीति के साथ–साथ महाराजजी परम भजनानंदी संत थे और संत सेवा गौ सेवा विद्यार्थी सेवा अतिथि सेवा उसे समय भी किया करते थे जब लोगों के पास संसाधन कम थे उसे समय श्री महाराज जी प्रतिवर्ष दर्जनों विद्यार्थियों को शिक्षा दिलाया करते थे और स्वयं भी सनातन वैष्णवों परंपरा के अनुसार शिक्षा दिया करते थे यही कारण है कि आज भी बड़े ही आदर सम्मान के साथ श्री महाराज को सभी संत महंत याद करते हैं और उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्री महाराज जी के श्रद्धांजलि सभा में मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, महंत मनीष दास, महंत उत्तम दास, श्री राम आश्रम के महंत जयराम दास सहित सैकड़ो संतों महंतो श्रद्धांजलि अर्पित की।

जेल में निरुद्ध आरोपित को कठोर सजा दिलाने की मांग

संवाददाता–बलरामपुर। संयुक्त जिला चिकित्सालय के अनुचर पद से हटाए गए सत्यप्रकाश तिवारी पर इमरजेंसी वार्ड में घुसकर तोड़फोड़ व सीएमओ को धमकी देकर रंगदारी मांगने का आरोप लगा था। जिसे जेल भेजा गया है। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाकर जेल में निरुद्ध आरोपित सत्यप्रकाश को कठोर सजा दिलाने की मांग की है।

प्रांतीय चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डा. महेश कुमार वर्मा ने कहा कि अनुशासनहीनता के आरोप में 24 फरवरी को सेवा प्रदाता कंपनी ने सत्यप्रकाश तिवारी की सेवा समाप्त कर दी थी। जिसे लेकर वह काफी नाराज चल रहा था। 21 अप्रैल की रात 10 बजे सत्यप्रकाश ने इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर डा. सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, फार्मासिस्ट एमएल गुप्त व वार्ड ब्वाय शीतल गिरि सिंह गालीगलौच की थी। जिससे चिकित्सक व कर्मी काफी डर गए थे। वे वहां से निकलकर सीएमओ डा. मुकेश कुमार रस्तोगी के आवास पर पहुंचे। जिसके बाद सत्यप्रकाश ने सीएमओ को फोन मिलाकर उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए रंगदारी मांगी। अपर सीएमओ डा. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सत्यप्रकाश ने पूर्व में संयुक्त जिला चिकित्सालय के सीएमएस डा. राजकुमार वर्मा से भी अभद्रता की थी। पहले भी अन्य चिकित्सकों व कर्मियों से अभद्रता करता रहा है। उसकी मनबढ़ई से पूरा विभाग परेशान है। चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों व मरीजों के हित को देखते हुए आरोपित को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। इस अवसर पर अपर सीएमओ डा. एके चौधरी, चिकित्साधिकारी डा. रमेश कुमार पांडेय, डा. राजेश सिंह, डा. उमेश कुशवाहा, डा. माही कीर्ति, डा. नगमा खान, डा. जावेद अख्तर, डा. सुमंत सिंह चौहान व डा. सौरभ सिंह आदि मौजूद थे।

बिजली की शार्ट सर्किट से लगी भीषण आग से फूस के 15 मकान जलकर राख, तीन मवेशी झुलसे

संवाददाता–गोण्डा। बिजली की शार्ट–सर्किट से लगी आग में लगभग 15 फूस के घर व उसके भीतर रखा सामान जलकर राख में तब्दील हो गया। तीन मवेशियों की जलकर मौत हो गई जबकि दो की हालत गंभीर है। सूचना के दो घंटे के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया जा चुका था। कटराबाजार थाना क्षेत्र के गंडाही अहिरनपुरवा के पूर्व प्रधान विनोद ने बताया कि उदयभान यादव का परिवार बृहस्पतिवार की रात शादी समारोह में परसपुर गया था। उनके घर में अचानक शार्ट–सर्किट होने के कारण आग लग गई। हवा चलने के कारण चिन्गारी ने अन्य घरों तक भी पहुंच गई। बगल में स्थित प्यारेलाल का छप्पर भी जलने लगा। जिसमें एक भैंस झुलस गई। वहीं, भगीरथ की मोटरसाइकिल जल गई। राजकुमार की एक भैंस झुलस गई। रामभुलावन के तीन मवेशियों की झुलस कर मौत हो गई। इसके अलावा नानमून, विजय कुमार, लहरी यादव, अवधराम, चिंतामन, ननके, रक्षाराम, गोपीनाथ, पप्पूलाल और जिलेदार यादव के घर गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ितों ने बताया कि गेहूं की फसल कटने के बाद अनाज और भूसा घर आया ही था कि इस भीषण आग में सबकुछ जलकर राख हो गया। साइकिल, पंपिंग सेट, ठेला व उपयोगी चीजें सहित हजारों रुपये नकदी भी जलकर राख हो गई। सब कुछ बर्बाद हो गया। पुलिस व ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। दो घंटे बाद दमकल पहुंचा। लेखपाल मनोज मिश्रा ने बताया कि तीन लाख रुपये की क्षति का आकलन किया गया है।

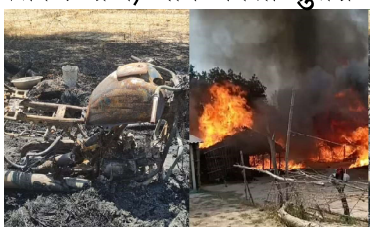

जिसकी रिपोर्ट प्रशासन को भेजी जा रही है।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के नगवा स्थित बाग में शुक्रवार दोपहर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि स्वामीनाथ सिंह ने बताया कि गांव का बाग लगभग दो एकड़ क्षेत्रफल में है। तेज हवा के चलते आग ने पूरे बाग को अपनी आगोश में ले लिया। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई लेकिन वह नहीं पहुंचा। ग्रामवासियों ने अथक प्रयास कर आग पर काबू पाया जिससे बड़ी क्षति होने से गांव को बचाया जा सका।

आग से जलकर किशोर की मौत, भाई झुलसा

संवाददाता–देवरिया। जिले के सुरौली क्षेत्र के सिसवा पाण्डेय गांव में शुक्रवार को आग ने जमकर तबाही मचाई। इस दौरान घर में सो रहे एक किशोर की जिंदा जल कर मौत हो गई जबकि उसका भाई झुलस गया। इस घटना में दर्जन भर रिहायशी मकान व चार बाइक जल कर खाक हो गई। एक गाय व कई बकरियां भी जल कर मर गई हैं। घटना की सूचना पर एएसपी के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम राहत व बचाव कार्य में जुटी है।

सिसवा पाण्डेय–नकडीह मार्ग पर हरिजन बस्ती से सटे एक व्यक्ति की खेत में शुक्रवार की दोपहर करीब दो बजे गेहूं के डंठल में आग लग गई। तेज पछुआ हवा के चलते कुछ ही देर में आग ने सुरौली हरिजन बस्ती को अपनी आगोश में ले लिया। आग लगते ही बस्ती में चीख–पुकार मच गई। उसी दौरान टिनशेड की मकान में सो रहे मोहन प्रसाद के बेटे लक्ष्मन(15) और भरत(5) आग की चपेट में आ गए। लक्ष्मन ने किसी तरह से छोटे भाई भरत को बाहर निकाल दिया और खुद टिनशेड में बंधी गाय को खोलने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो उसी दौरान घर में रखा दो सिलेंडर भी फट गया जिससे एकाएक आग विकराल हो गई और गाय समेत लक्ष्मन की जान चली गई। घटना में घायल बच्चे का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंचे एएसपी भीमकुमार गौतम और सीओ आदित्य कुमार ने राहत व बचाव कार्य शुरू कराया।

आठ जोनल एवं 122 सेक्टर मजिस्ट्रेट को किया प्रशिक्षित

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव को सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराए जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह की अध्यक्षता में जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुए इस प्रशिक्षण में आठ जोनल एवं 122 सेक्टर मजिस्ट्रेट ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सेक्टर मजिस्ट्रेट को मतदान के दौरान किन–किन बातों का ध्यान रखना है, इसके बारे में प्रशिक्षित किया गया। साथ ही ईवीएम व वीवीपैट से जुड़ी बारीकियां भी बताई गई। प्रशिक्षण में शामिल लोगों को सम्बोधित करते हुए डीएमअंजना निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह ने कहा कि चुनाव को सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने में सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सभी सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेट अपने कार्य एवं दायित्व को अच्छी तरह से जान लें। साथ ही हैंडबुक एवं गाइड लाइन का गहन अध्ययन कर लें। मतदान के दिन सभी सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट दृढ़ निश्चय एवं निपुणता के साथ मतदान कराएंगे। डीएम ने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने–अपने सेक्टर को विधिवत ढंग से देख लें। मतदान केन्द्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर के महत्वपूर्ण व्यक्तियों प्रधान, सचिव, लेखपाल व एसएचओ का नम्बर अपने पास रखेंगे। प्रशिक्षण के दौरान सीडीओ संजीव कुमार मौर्य, एडीएम प्रदीप कुमार, एएसपी नम्रता श्रीवास्तव, डीडीओ गिरीशचन्द्र पाठक सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ढेढ़ किलो सोना और डेढ़ करोड़ रुपये के साथ तीन भारतीय सहित सात गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल काठमांडों पुलिस ने नकदी और सोने के साथ तीन भारतीय नागरिक सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है। गिरफ्तार किए गए सात लोगों में चार नेपाली और तीन भारतीय नागरिक हैं, जो महाराष्ट्र के निवासी बताए गए है। डेढ़ किलो से अधिक सोना और करीब डेढ़ करोड़ रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस डीएसपी राजन श्रेष्ठ ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग अवैध सोने का कारोबार कर रहे हैं। पुलिस टीम तलाशी के लिए गई और मौके से गणेश दत्त बडू निवासी महाकाली नंबर पालिका को गिरफ्तार किया। इसी के साथ अन्य छह लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उनके पास से 1768.25 ग्राम सोना और एक करोड़ 43 लाख 60 हजार रुपये बरामद हुए। केस दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

नेपाल सीमा पर थम नहीं रही प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी

संवाददाता–बहराइच। भारतीय सीमावर्ती इलाके में पुलिस व एसएसबी तथा नेपाली इलाके में पुलिस व आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान अहर्निश पहरा दे रहे हैं। इसके बावजूद भी दोनो देशों का संगठित तस्कर गिरोह की ओर से होने वाली तस्करी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। आए दिन तस्करी का सामान पकड़ा जा रहा है जिससे सुरक्षा एजेंसियों पर सवाल उठने लगे हैं। नेपाल से सरेआम पूरे दिन बीच बाजार से होते हुए नेपाली देशी घी, चायनीज कॉस्मेटिक आइटम, चायनीज लाइटर, नेपाली खुखुरी सिगरेट, जड़ी–बूटी व मेघाश्री गुटखा आदि सामान बेखटके भारतीय इलाके में लाया जा रहा। इसी तरह नेपाली कस्टम की चोरी कर भारतीय क्षेत्र से कपड़े, जूते, चावल, मैदा, चीनी, दलहन, चप्पल, ऑटो पार्ट्स, बेल्ट, पर्स व इन्वर्टर की बैटरी आदि नेपाल जा रहा है। भारतीय क्षेत्र में चप्पे चप्पे पर एसएसबी व नेपाली क्षेत्र में सिविल पुलिस व आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान इस गोरखधंधे को रोकने के लिए तैनात हैं। यदा– कदा नेपाल की एपीएफ व भारत की एसएसबी इन सामानों को पकड़ कर अपनी पीठ भी थपथपाती रहती है। अपनी उपलब्धि बताने के लिए तस्करी का सामान पकड़कर विज्ञप्तियां भी जारी करती है, पर तस्करी पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है, यह यक्ष प्रश्न है। इंडो– नेपाल बार्डर पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। रोड पर दिखावे के लिए कड़ाई से चेकिंग होती है। आईडी देखकर लोगों को आने– जाने दिया जा रहा है। आईडी न होने पर आमजन से झड़पें होते हुए भी देखा गया है, परंतु रुपईडीहा के पूरब व पश्चिम खुली सीमा से होते हुए दोनों देशों में प्रतिबंधित सामानों की तस्करी जारी है। तस्कर पहले रात के अंधेरे में पगडंडियों के रास्तों का प्रयोग करते थे। अब यह धंधा दिन के उजाले में बेखौफ जारी है। एटीएस सहित प्रांतीय व केंद्रीय गुप्तचर एजेंसियों के अधिकारी व कर्मचारी भी यहां इन्हीं राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तैनात हैं। या तो ये लोग अपने उच्चाधिकारियों को सूचना देते ही नहीं या संबंधित अधिकारी इस पर कोई कार्यवाही नहीं करते हैं। आम नागरिक भी इन अवैध गतिविधियों को देखकर चुप है।

गोरखपुर–गोंडा सवारी गाड़ी में मिला यात्री का शव

संवाददाता–गोंडा। गोरखपुर से गोंडा के बीच में चलने वाली 05093 अनारक्षित ट्रेन के पार्सलयान में एक अज्ञात यात्री का शव शुक्रवार को रेलकर्मियों को नजर आया। सूचना पर पहुंचे जीआरपी निरीक्षक अरविंद शर्मा ने बताया कि जांच–पड़ताल की।

उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मायावती की कर्मभूमि पर पहुंचे आकाश आनंद बोले- बहन जी के आदर्शों पर चलकर आगे बढ़ूंगा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद शुक्रवार को मायावती की कर्मभूमि पहुंचे। उन्होंने यहां रहे अंबेडकरनगर पहुंचे रैली को संबोधित किया। जिले के शिवबाबा मैदान पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बहन जी ने अपना जीवन आदर्शों के रास्ते पर चलकर बसपा मूवमेंट को आगे बढ़ाया है। उन्होंने जनता को नई राजनीतिक शक्ति दी है। मैं उनके पदचिन्हों पर चलकर आगे बढ़ूंगा। दुश्मन साम, दाम, दंड और भेद की नीति अपनाएगा। आकाश ने जय भीम के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। यह क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की राजनीतिक कर्मभूमि रही है। यहीं से वह प्रदेश और देश की सियासत में चमकीं। बसपा ने जिस कमर हयात को लोकसभा का टिकट थमाया है वह पार्टी में लंबे समय से सक्रिय हैं। जिले में उनकी पहचान सरल छवि के नेताओं में है। पार्टी ने पहले जिन कलामशाह को टिकट दिया था उनके सामने जिले में पहचान का संकट था, लेकिन कमर हयात के साथ ऐसा नहीं है। सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में वे किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं।

वर्ष 2002 में बसपा के टिकट से जलालपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं। तब राकेश पांडेय विजयी हुए थे। कमर हयात 47,524 मत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। खास बात यह रही कि उन्होंने कई बार के विधायक रहे भाजपा प्रत्याशी शेरबहादुर सिंह को लगभग चार हजार मतों से पीछे छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन 2007 में बसपा के समर्थन से चुनाव लड़कर जलालपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष चुन लिए गए। पांच वर्ष बाद फिर हुए नगर परिषद के चुनाव में उन्हें पराजित कर सपा के अतुल बशर अंसारी नगर परिषद अध्यक्ष बन गए। वर्ष 2017 के चुनाव में सीट महिला के लिए आरक्षित हो गई। इस बार कमर हयात की पत्नी फरजाना खातून बसपा के समर्थन से अध्यक्ष बन गईं। हालांकि इसके बाद हुए चुनाव में अतुल बशर अंसारी की पत्नी खुर्शीद जहां जीतकर अध्यक्ष बनीं तो फरजाना को हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद अब कमर हयात बतौर बसपा प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

सपा सरकार में वन डिस्ट्रिक माफिया, हमारी सरकार में वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट -ब्रजेश पाठक

संवाददाता—संतकबीरनगर। सूबे के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को यहां कहा कि जब प्रदेश में सपा की सरकार थी तो वन डिस्ट्रिक वन माफिया का राज हुआ करता था। गुण्डों और माफियों के कारण शाम होते ही बहू—बेटियों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया था। भाजपा की सरकार बनी तो जिला और प्रदेश माफिया मुक्त हो गया। इनके स्थान पर अब वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट ने ले लिया है। विकास की गति तेज हुई।

बनियाबारी के पास स्थित एक मैरिज हाल में भाजपा के सोशल मीडिया सम्मेलन में ब्रजेश पाठक ने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार बनने से पूर्व कांग्रेस की सरकार में गैस सिलेंडर पाने के लिए सांसद, विधायक की सिफारिश लगानी पड़ती थी। गैस गोदाम के बाहर लंबी लाइनें लगा करती थीं, लेकिन केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद निरूशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। अब गैस सिलेंडर के लिए लाइन नहीं लगानी पड़ती है। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया। जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। इज्जत घर बनवाकर सम्मान का सुरक्षित करने का प्रयास किया। गरीबों को मकान मुहैया कराया गया और पांच लाख तक के मुफ्त इलाज की व्यवस्था आयुष्मान कार्ड के जरिये की गई। इस सब उपलब्धियों के बदौलत एक बार फिर भाजपा सरकार को वोट दें।

फिल्मस्टार रविकिशन को बड़ी राहत, डीएनए टेस्ट की मांग कोर्ट से खारिज

संवाददाता—गोरखपुर। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपर्णा के साथ उनकी बेटी भी मौजूद थी। अपर्णा ने कहा, मेरे पास रवि किशन के साथ फैमिली फोटो भी है। शादी के भी कई फोटो हैं। एक नहीं, मेरे पास शादी के कई सबूत हैं। अपर्णा ने रवि किशन के साथ की कई तस्वीर भी साझा की थी। लोकसभा चुनाव के बीच विवादों में घिरे गोरखपुर से भाजपा सांसद—प्रत्याशी और भोजपुरी सुपर स्टार रवि किशन को बड़ी राहत मिली है। खुद को रवि किशन की बेटी बताने वाली 25 साल की शिनोवा की डीएनए टेस्ट की मांग की अपील को मुंबई के डिंडोशी सेशन कोर्ट ने खारिज कर दिया है। शिनोवा ने कुछ वक्त पहले एक्टर के डीएनए टेस्ट की मांग की थी। शिनोवा का कहना है कि वो रवि किशन की बेटी हैं। वो चाहती हैं कि किशन अपना डीएनए टेस्ट करवाएं, ताकि अगर वो झूठ बोल रही हैं तो ये साबित हो जाए। लेकिन मुंबई के डिंडोशी सेशन कोर्ट ने शिनोवा की इस अपील को खारिज कर दिया है।

अपने फैसले में शिनोवा को झटका देते हुए कोर्ट ने कहा है कि प्रथम दृष्टया में ऐसा नहीं लगता है कि याचिकाकर्ता की मां और रवि किशन के बीच कोई पारिवारिक संबंध था। माना जा रहा है कि अब शिनोवा इस मामले को उच्च कोर्ट में लेकर जा सकती हैं। हालांकि,

भाजपा सांसद रवि किशन को अपना पति बताने वाली महिला पर केस भी दर्ज हुआ। इस मामले के बाद रवि किशन की पत्नी प्रीति शुक्ला ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराई है। प्रीति ने दावा किया है कि इस पूरे मामले में समाजवादी पार्टी के नेता विवेक और एक यूट्यूबर खुर्शीद खान का हाथ है। प्रीति ने बताया कि 1 साल पहले भी इस महिला के खिलाफ मुंबई पुलिस से ब्लैकमेलिंग की शिकायत की थी। आरोपी महिला का अंडरवर्ल्ड माफियाओं से संबंध है। उसने पहले भी रेप के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 20 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। प्रीति शुक्ला ने अपर्णा सोनी उर्फ अपर्णा ठाकुर, उसके पति, बेटी और बेटा को इस मामले में आरोपी बनाया है। फिलहाल हजरतगंज पुलिस ने मां—बेटी समेत 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है।

वहीं, इस विवाद के बीच इस मामले में शिनोवा ने मुंबई की दिंडोशी सत्र अदालत में अर्जी लगाई थी। शिनोवा ने कोर्ट से डीएनए टेस्ट कराने की मांग की थी। उन्होंने कोर्ट में दावा किया था कि रवि किशन ही उनके जैविक पिता है। लेकिन अब कोर्ट ने इस मामले में बड़ा फैसला किया है। डिंडोशी सत्र अदालत ने शिनोवा को झटका देते हुए उनकी पितृत्व परीक्षण की मांग को खारिज कर दिया है। आपको बता दें कि शिनोवा की उम्र 25 साल है। शिनोवा के मुताबिक, वह बॉलीवुड में नाम बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने कुछ साउथ फिल्मों में काम किया है तो वहीं उन्होंने कई वेब सीरीज में भी काम किया है। शिनोवा का कहना है कि उन्होंने कई विज्ञापनों में भी काम करते अपनी पहचान बनाई है।

गीत संगीत और नाटक प्रस्तुत कर मतदाताओं को किया जागरूक

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर संसदीय सीट पर आने वाले 25 मई को होने वाले मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए शुक्रवार को स्काउट गाइड ने खलीलाबाद में रैली निकाली। इस दौरान गीत संगीत और नाटक प्रस्तुत कर मतदाताओं को जागरूक किया।

जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत स्काउट गाइड के जिला सचिव रवि श्रीवास्तव और गाइड प्रशिक्षण आयुक्त श्रीमती मीरा भारती की अगुवाई में हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज के स्काउट और गाइड ने मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यालय के प्रांगण में बच्चों के समक्ष गीत संगीत और नाट्य के माध्यम से प्रेरित करते हुए रैली निकाली। मुखालिसपुर रोड तिराहे पर ओवरब्रिज के नीचे नाटक और गीत संगीत प्रस्तुत किया गया। उसके पश्चात चंद्रशेखर आजाद चौराहा पर लोगों को जागरूक किया गया।

इस दौरान बच्चे अपने हाथों में तख्तियां लिए हुए और मधुर संगीत को गाते चल रहे थे। 25 मई भूल न जाना वोट देने जरूर जाना के नारों के बीच भोजपुरी गीत, चौता के माध्यम से लोगों को जागृत किया गया। रैली मेहदावल चौराहे से वापस आकर विद्यालय में समाप्त हुई। इस अवसर पर विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य अरुण कुमार ओझा, उदयभान पटेल, योगेंद्र सिंह, एनसीसी ऑफिसर डॉक्टर चंद्रप्रकाश त्रिपाठी, आलोक कुमार पाण्डेय, रविंद्र कुमार, डॉ. राकेश सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, विद्यालय के अन्य अध्यापक और छात्र उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति परीक्षा में ब्रह्मपुर के कछार के 17 मेधावी ने मारी बाजी

संवाददाता—गोरखपुर। राष्ट्रीय आय व योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2024 के परिणाम में कछार क्षेत्र के छात्रों के बच्चों ने अपनी मेधा का प्रदर्शन किया। डीहघाट संकुल के विद्यालय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खैरघुटा की छात्रा सभ्या कुमारी व पूर्व माध्यमिक विद्यालय भरकच्छा के छात्र करण साहनी ने सफलता प्राप्त कर स्कूल व क्षेत्र का मान बढ़ाया है। इस परीक्षा में ब्रह्मपुर ब्लॉक के कुल 17 छात्र, छात्राओं ने सफलता प्राप्त की हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय विश्वनाथपुर से तीन, जंगल रसूलपुर नम्बर नंबर 2 से तीन, बोहाबार से दो, मठिया से दो, खैरघुटा, कटसिकरा, भरकच्छा,भरोहिया, विशुनपुरा, नौवाबारी व बेलवा से एक एक छात्र ने सफलता प्राप्त की है।

सभी सफल छात्र—छात्राओं को 12वीं पास करने तक प्रति माह एक 1000 रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी। खण्ड शिक्षा अधिकारी भारत भूषण जायसवाल ने सभी चयनित छात्र छात्राओं व उनके मेंटर्स त्रिपुरारी पूजन प्रताप सिंह, डा. इंदू सिंह, अमृता शर्मा, मनोज कुमार, आसनारायण गोंड, प्रतिमा मिश्रा, आबिदा अंजुम, जयनंद गोंड, प्रेमावती यादव व समस्त एआरपी टीम को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जूनियर स्तर की जितनी भी प्रतियोगी परीक्षाएं होती हैं, उन सभी में आधिकाधिक छात्र छात्राओं के नामांकन व सफलता के लिए रणनीति बनाकर युद्ध स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है।

गैस सिलेंडर का पाइप फटने से शादी के पंडाल में लगी आग, दुल्हन की विदाई का सामान जलकर राख

संवाददाता—गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के बैजलपुर गांव में बीती गुरुवार की रात रसोई गैस सिलेंडर का पाइप फटने से शादी के पंडाल में आग लग गई। इसमें चारपाई, कुर्सी, बिछौना, सहित दुल्हन की विदाई का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बैजलपुर गांव के ओमप्रकाश गौंड की लड़की की गुरुवार को शादी थी। रात दस बजे भोजन बनाते समय सिलेंडर का पाइप फट गया। गैस का रिसाव होने की वजह से आग लग गई और पूरे पंडाल में फैल गयी।

स्वजन व गांव के लोगों ने एक घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन इस दौरान पंडाल में रखा सारा सामान जल गया। विदाई का सामान जल जाने से दुल्हन के परिवार वालो का रो—रो कर बुरा हाल रहा। हरपुर बुदहट पुलिस ने परिवार को धैर्य रखने की सलाह देते हुए किसी तरह से शादी सम्पन्न कराई। गांव के ही सैनिक ढाबा के मालिक रामकेश यादव और ग्राम प्रधान राजकुमार ने बारातियों को आपने पास से भोजन करवाकर विवाह सम्पन्न कराया। वहीं शुक्रवार सुबह लेखपाल और कानूनगो ने पहुंचकर आग से जलने से हुए नुकसान का जायजा लिया। लगभग तीन लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है।

स्कूटी की डिक्की तोड़कर 45 हजार रुपये उड़ाए

संवाददाता—गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के भोपा बाजार में पीएनबी बैंक से पैसा निकाल कर घर जा रही महिला की स्कूटी की डिक्की तोड़कर बाइक सवार बदमाश 45 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। पुलिस वारदात की जांच पड़ताल कर रही है। चौरीचौरा क्षेत्र के केशवापट्टी निवासिनी ममता पत्नी छनाड़ी ने पुलिस को बताया कि उसने पीएनबी बैंक से 10.30 बजे 65 हजार निकाल कर घर जा रही थीं। वह रास्ते में भोपा बाजार चौराहे पर स्कूटी खड़ी करके सामान खरीदने लगीं। इसी बीच 3—4 लोग बाइक से आए व स्कूटी की डिक्की तोड़कर पैसा निकालने लगे। उन्हें देखकर शोर मचाने लगी। बदमाश झोला लेकर भाग गये।

पंचायत भवन निर्माण में लापरवाह चार ग्राम पंचायतों को नोटिस

संवाददाता—संतकबीरनगर। पंचायत भवन निर्माण में लापरवाही बरतने वाले चार ग्राम प्रधानों और सचिवों को डीपीआरओ अविनाश कुमार ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनसे एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। स्पष्टीकरण के साथ पूरा उपभोग और अब बने भवन की फोटो भी तलब किया है। इसके साथ ही जल्द से जल्द निर्माण पूरा करने का भी निर्देश दिया है। इसमें लापरवाही मिलने पर इनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

डीपीआरओ अविनाश कुमार ने बताया कि बेलहर ब्लाक के कुसरूखुर्द, खलीलाबाद ब्लाक के मथुरापुर, मेंहदावल भरथुआ और बेलहर ब्लाक की मैनहवां ग्राम पंचायत में बहुद्देशीय पंचायत भवन का निर्माण महीनों से अधूरा पड़ा है। जितना धन मिला उसको खर्च करने के बाद अभी तक इन ग्राम पंचायतों से न तो उपभोग प्रमाण पत्र दिया है और न ही बने भवन की फोटो ही उपलब्ध कराई है। उन्होंने बताया कि कुसरूखुर्द में 20 अक्टूबर पहली किश्त और 4 मार्च को दूसरी किश्त उपलब्ध कराई गई। लेकिन उसका उपभोग अभी तक नहीं मिला है। न ही पंचायत भवन ही तैयार हुआ है।

वहीं मथुरापुर में तीन नवम्बर को पहली किश्त भेजी गई। लेकिन अभी तक दूसरी किश्त की डिमांड यहां से नहीं मिली है। इसी तरह भरथुआ में 20 अक्टूबर को ही पहली किश्त प्रदान कर दिया गया था, उसके बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया। मैनहवां ग्राम पंचायत को 11 सितम्बर को पहली किश्त प्रदान की गई थी। इन सभी के द्वारा धनराशि का उपभोग उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे दूसरी किश्त भेजी जा सके। इनकी इस लापरवाही के कारण पंचायत भवन का निर्माण अधर में लटका है।

इससे जनपद की रैंकिंग प्रदेश में खराब हो रही है। शासन स्तर से भी अधूरे पंचायत भवनों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है। 15 दिवस के भीतर फोटो ग्राफ के साथ स्पष्टीकरण उपलब्ध कराया जाना है। ऐसे में सभी प्रधान और सचिव एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराएं। अन्यथा की स्थिति में आगे की कार्रवाई प्रचलित कर दी जाएगी।

आग से दंपति और दो बच्चे झुलस

संवाददाता—गोरखपुर। जिले के झंगहा थाना क्षेत्र के पुरनहा निवासी दीनदयाल गुप्ता अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ बाइक से अपने ननिहाल में शादी समारोह में जा रहे थे। टमठा गांव के पास जल रहे गेहूं के डंठल की आग में घिर जाने के कारण गम्भीर रूप से झुलस गए। गम्भीर हालत में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्रह्मपुर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

पुरनहा निवासी दीनदयाल गुप्ता (23 वर्ष) अपनी पत्नी शिल्पा गुप्ता (25 वर्ष) बेटी लक्ष्मी गुप्ता (16 वर्ष) काव्या उम्र (1 वर्ष) के साथ बाइक से घर से निकले थे। अभी वे करीब डेढ़ किलोमीटर आए गए थे कि तेज हवा के चलते खेत में जल रहे गेहूं के डंठल की आग में घिर गए। मोटरसाइकिल से कूद कर भागने का प्रयास किया लेकिन तेज हवा के चलते आग विकराल हो गई और सारे लोग झुलस गए। ग्रामीण ने किसी तरह से बाहर निकाल कर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्रह्मपुर पहुंचाया। डाक्टरों ने स्थिति गम्भीर देख प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सन्तोष कुमार शुक्ल पुत्र स्वर्गीय श्री जर्नादन प्रसाद शुक्ल है। मेरे पुत्र शिवेश शुक्ल के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड इण्टर मीडिएट वर्ष 2023 अनुक्रमांक 23625336 के अंक पत्र में मेरा नाम सन्तोष शुक्ल अंकित हो गया है जबकि पिता का वास्तविक नाम सन्तोष कुमार शुक्ल है। इसे अंक पत्र में सुधारकर सन्तोष कुमार शुक्ल किया जाय।

(सन्तोष कुमार शुक्ल)
पुत्र स्वर्गीय श्री जर्नादन प्रसाद शुक्ल ग्राम— बस्ती नाथू पोस्ट— तुसायल जनपद बस्ती (उ.प्र.)

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत— श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल जिला—बस्ती निगरानी सं0 C 2013170000144

महादेव आदि
बनाम
रामलौट आदि

1/1 सहजराम पुत्र रामलौट 2 सहजराम पुत्र रामलौट 3/1 राम सुभावन 3/2 राज कुमार पुत्रगण श्रीराम 3/3 फूलचन्द्र 3/4 लालचन्द्र पुत्रगण श्रीराम 3/5 सावित्री पत्नी श्रीराम 4. काशीराम पुत्र बुझारत 5. सुभावन पुत्र श्रीराम 6. लालचन्द्र पुत्र श्रीराम 7. हीरालाल पुत्र मुनेसर 8. बीरबल पुत्र मुनेसर 9. रज्जू पुत्र मुनेसर 10. भगौती पुत्र रामधन 11. रंगीलाल पुत्र संचित 12/1 कुलदीप पुत्र कामता 13. जयराम पुत्र सुखई 14. रामजीत पुत्र बुधराम 15. राजेश कुमार पुत्र तुलसीराम 16. रोहित पुत्र तुलसीराम 17. विजयकुमार पुत्र बुधिराम 18 ओम प्रकाश पुत्र दशरथ 19. हृदयराम पुत्र राम प्रसाद 20. लखराम पुत्र दुखहरन 21. केशकुमार पुत्र दुखहरन 22. बरसाती पुत्र रामधन 23. बलेसर पुत्र औतार 24. रमेश पुत्र रामजनक 25. जियावन पुत्र स्वामीदीन 26. बुझारत पुत्र स्वामीदीन 27—लुटावन पुत्र स्वामीदीन 28. राम बहाल पुत्र रामलौटन 29. झापस पुत्र रामलौटन 30. सुरेश पुत्र रामलौटन 31. बाबूराम पुत्र रामलौटन 32. झुरई पुत्र रामलौटन 33. रहीद पुत्र अमानत 34. खतीबा पत्नी हनीफ 35. कमाल पुत्र अगनू 36— नीबर पुत्र अगनू 37. अकबर पुत्र अगनू 38. अमीन पुत्र अमानत 39. यासीन पुत्र अमानत 40. सज्जाक पुत्र बादू 41. रहमुल्लाह पुत्र रोजन 42. यार मोहम्मद पुत्र रहमुल्लाह 43. इसहाक पुत्र मुस्तफा 44. सैदा हुसेन पुत्र सेतू 45. अनवर पुत्र नसीर 46. फिदा हुसेन पुत्र मकसूद 47. असलम पुत्र रहमान 48. मुस्तकीम पुत्र सहवान 49. चुन्नू पुत्र सुलेमान निवासीगण ग्राम—सेवरालाला तप्पा —सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील — हरैया जिला — बस्ती 50 राम सूरत पुत्र राम निहाल सकिन कुआँगांव, तप्पा—सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती 51. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत सेवरालाला तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 03—05—2024

अपील बनराजी अदालत अपर जिलाधिकारी मुकाम बस्ती मयरिखा 10 महीना 05 सन् 2012 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 03 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 26 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 1073/2017
अदालत—श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

जै जै राम
बनाम
रामराज आदि

4. श्रीमती दशरथी देवी पत्नी रामदेव साकिन मोहम्मद नगर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 22—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 854/2023
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

बृजकिशोर आदि
बनाम
प्रशान्त पाण्डेय आदि

1. प्रशान्त पाण्डेय पुत्र अनिल पाण्डेय उम्र करीब 58 वर्ष 2. श्याम बिहारी पुत्र बेचूराम उम्र करीब 52 वर्ष निवासीगण घिरौली पाण्डेय तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 29—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 474/2022
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

रन्जीत सिंह
बनाम
गोपाल आदि

1. गोपाल उम्र 30 साल पुत्र सुकई उर्फ सुकाल 2. भोला उम्र 32 साल पुत्र गया निवासीगण मौजा भिटिया बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. अब्दुल रहीम उम्र 65 साल पुत्र अब्दुल अहमद निवासी मौजा भिटिया बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रकीर्णवाद सं0 185/2023
अदालत—श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

गिरीश
बनाम
कुददूस मोहम्मद आदि

1. कुददूस मोहम्मद उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र मोहम्मद रसूल ग्राम धवरपारा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 28—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 25 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com